# ग्रेटर गीडा : अंबुजा, केयान और कोकाकोला भी गोरक्षनगरी में

## धुरियापार में अदाणी ग्रुप और केयान डिस्टिलरी ने 50-50 एकड़ जमीन के लिए किया आवेदन

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। ग्रेटर गीडा के रूप में विकसित किए जा रहे धुरियापार औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर पांच में अदाणी समूह की अंबुजा सीमेंट फैक्टरी लगने का रास्ता साफ हो गया है। कंपनी ने गीडा प्रशासन से 50 एकड़ भूमि के लिए आवेदन करते हुए इससे संबंधित शुल्क भी जमा कर दिया है। वहीं केयान ग्रुप ने गीडा के बाद धुरियापार में भी श्रेयांस के नाम से डिस्टिलरी और सोलर पार्क के लिए 50 एकड़ जमीन मांगी है।

अभी एक दिन शेष है। उम्मीद है कि कुछ और बड़ी कंपनियां भी आवेदन कर सकती हैं। विश्वस्तरीय कोल्ड ड्रिंक्स कंपनी कोकाकोला ने भी गीडा में बाटलिंग प्लांट के लिए 50 एकड़ जमीन मांगी है।

गोरखपुर में अदाणी समूह की तरफ से सीमेंट फैक्टरी लगाने के लिए एक साल से प्रयास किया जा रहा है। पहले गीडा के किसी सेक्टर में जमीन की तलाश चल रही थी, इसके बाद धुरियापार में इसके लिए प्रयास शुरू हुए। 17 जून को धुरियापार के नए औद्योगिक क्षेत्र के मास्टर प्लान को शासन की मंजूरी मिली। इसके बाद ही करीब 300 एकड़ में यहां का पहला औद्योगिक सेक्टर (एस-5) विकसित करने पर सहमति बनी।

**बदल रहा है गोरखपुर**

गीडा प्रशासन ने इस सेक्टर में बड़ी फैक्टरियों के लिए जगह बनाई है। जमीन आंवटित करने के लिए पिछले सप्ताह ही विज्ञापन जारी कर आवेदन मांगे गए थे। धुरियापार के इन प्लॉटों के लिए आवेदन होने लगा है। एस-5 में पहली इकाई लगाने के लिए अदाणी समूह की तरफ से 50 एकड़ का जो प्रस्ताव भेजा गया है, उस पर अंबुजा सीमेंट की फैक्टरी लगेगी। बगल में ही केयान डिस्टिलरी प्रा.लि. की तरफ से एक और डिस्टिलरी की स्थापना के लिए 50 एकड़ जमीन मांगी गई है। कंपनी यहां डिस्टिलरी के अलावा सोलर एनर्जी पार्क का भी निर्माण कराएगी जिससे बिजली पैदा होगी। अभी इस सेक्टर में एक और बड़ी कंपनी के लिए जगह बची है। रविवार तीन अगस्त तक धुरियापार में प्लॉट के लिए कंपनियां आवेदन कर सकती हैं। इसी सप्ताह में आवंटन की प्रक्रिया शुरू होगी।

धुरियापार में यहीं औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। संवाद

धुरियापार के नए बन रहे औद्योगिक क्षेत्र के लिए अदाणी समूह ने अंबुजा सीमेंट की फैक्टरी और केयान ग्रुप ने श्रेयांश डिस्टिलरी के लिए 50-50 एकड़ जमीन मांगी है। इसके अलावा कोकाकोला ने गीडा क्षेत्र में बाटलिंग प्लांट के लिए 50 एकड़ जमीन की मांग की है। तीनों कंपनियों को जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए इसी सप्ताह प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

-अनुज मलिक, सीईओ गीडा

### पेप्सिको के बगल में लगेगी कोकाकोला की फैक्टरी

शीतल पेय पदार्थ बनाने वाली अग्रणी कंपनी कोकाकोला भी गीडा में बाटलिंग प्लांट लगाएगी। इसके लिए कंपनी की तरफ से करीब 50 एकड़ जमीन की मांग की गई है। कंपनी ने पहले यहां केवल प्लास्टिक रिसाइकिलिंग कर बोतल बनाने के लिए अपनी एक अन्य फर्म के जरिये पांच एकड़ जमीन की मांग की थी। अब कंपनी यहां बाटलिंग प्लांट भी लगाएगी। पेप्सिको के बाद कोकाकोला के भी गोरखपुर में इकाई स्थापना के बाद यह औद्योगिक क्षेत्र शीतल पेय पदार्थ उत्पादन के मामलों में भी देश का महत्वपूर्ण स्थान बन जाएगा। पांच अगस्त को प्लॉट आवंटन के लिए निवेशकों का साक्षात्कार होगा।

### अदाणी समूह करीब 1000 करोड़ का करेगा निवेश

धुरियापार में अदाणी समूह करीब 1000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यहां अंबुजा सीमेंट की इकाई लगेगी। इस फैक्टरी से करीब 2000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इसके अलावा लगभग तीन हजार लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इस तरह करीब पांच हजार लोग सीधे तौर पर इस फैक्टरी से लाभान्वित होंगे। फैक्टरी स्थापित करने के लिए इस ग्रुप के अधिकारी करीब एक साल से गीडा प्रशासन के संपर्क में हैं। बता दें कि वर्तमान में सहजनवां में गैलेंट समूह सीमेंट का उत्पादन कर रहा है। जेपी सीमेंट की फैक्टरी लगने के बाद गोरखपुर सीमेंट उत्पादन के लिए जाना जाएगा।

### गली-मोहल्लों के स्ट्रीट लाइट के खंभे दिखेंगे खूबसूरत

गोरखपुर। शहर की मुख्य सड़कों की तरह गली-मोहल्लों में लगने वाले स्ट्रीट लाइट के पोल अब खूबसूरत नजर आएंगे। नगर निगम डेकोरेटेड और आक्टोगोनल पोल की दर तय करने के लिए टेंडर जारी कर दिया है। टेंडर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद नगर निगम इन खंभों को लगवाना शुरू करेगा।मुख्य सड़क को छोड़ गली-मोहल्ले में स्ट्रीट लाइट के लिए बिजली के खंभों को लगाने की जिम्मेदारी नगर निगम की है। ऐसे में नगर निगम ने परंपरागत बिजली के खंभों की जगह पर डेकोरेटेड और आक्टोगोनल पोल लगाने का निर्णय लिया है। नगर निगम शहर में ऊंचाई और लोकेशन के हिसाब से अलग-अलग बिजली के खंभे लगाएगा। डेकोरेटेड, आक्टोगोनल पोल, एसटी पोल आदि लगाए जाएंगे। ब्यूरो

### मिश्रित कचरे से बन रहा टॉरेफाइड चारकोल सफलता की ओर ट्रायल

गोरखपुर। सुथनी में निर्माणाधीन गोरखपुर इंटीग्रेटेड गारबेज सिटी में 500 टन प्रतिदिन की क्षमता के प्लांट से ट्रायल के दौरान 3800 से 4100 कैलोरी प्रति किग्रा ऊष्मा मान का हरित चारकोल का उत्पादन किया गया। बुधवार से चल रहे ट्रायल के दौरान महानगर से निकलने वाले तीन टन अपशिष्ट से एक टन टॉरेफाइड चारकोल का उत्पादन हुआ। मिश्रित कचरा से हरित कोयला बनाने का देश का पहला प्लांट एनटीपीसी वाराणसी में संचालित कर रहा है। ब्यूरो

### बिजली निगम लगाएगा 20 एमवीए के पॉवर ट्रांसफॉर्मर

**गोरखपुर।** बिजली निगम उपकेंद्र की क्षमता वृद्धि के लिए पॉवर ट्रांसफॉर्मर लगाने की योजना बना रहा है। बिजली निगम क्षमता वृद्धि के लिए 10 एमवीए की जगह 20 एमवीए के पावर ट्रांसफॉर्मर लगाने का निर्णय लिया है। इससे जगह, पैसे और समय तीनों की बचत होगी। ब्यूरो